*Enhanced Edition
NEP 2020 Guidelines

स्वर्णिमा

हिंदी पाठ्य-पुस्तक

अध्यापक सहायक-पुस्तिका

4

YBPL

स्वर्णिमा कक्षा-4

अध्याय-1

ऐसा क्यों होता है?

अभ्यासः (पेज 7)

1. (क) तोता छटपटाते हुए टें-टें-टें की आवाज़ कर रोता है।
   (ख) फूल सुगंध लुटाते हैं।
   (ग) मछली जल में सरसर दौड़ लगाती है।
   (घ) किसी बात की तह तक जाने वाले विज्ञानी कहलाते हैं।

लिखित–

2. (क) पिंजरें में तोता इसलिए छटपटाता है क्योंकि वह खुले आसमान में नहीं उड़ पाता।
   (ख) दिन में सूरज की रोशनी के कारण तारे दिखाई नहीं देते हैं।
   (ग) पृथ्वी का चक्कर लगाते समय चाँद का जो भाग सूर्य के सामने आता है, वह भाग चमकता है तथा दिखता है। इसलिए चाँद का आकार बढ़ता तथा घटता रहता है।
   (घ) किसी बात की तह तक जाने वाले व्यक्ति विज्ञानी कहलाते हैं।
   (ङ) इस कविता से कवि हमें अपने मन में उठने वाले प्रश्नो को पूछने के लिए तथा उनके उत्तर पढ़कर या स्वयं उस कार्य को करके जानने के लिए कह रहे हैं।

3. (क) पलकें मूँद जातीं आप ही
   जब मनुष्य सोता है।
   (ख) आँखें खोल चला करते वे
   चतुर, सयाने, ज्ञानी।
   (ग) तुम भी प्रश्न उठाओ,
   सोचो समझो पढ़कर जानो।

4. (क) साँझ – शाम (ख) सयाने – होशियार (ग) तह तक – पूरी तरह
   (घ) छटपटाकर – तड़पकर
   (ङ) मूँद जातीं – बंद हो जातीं

भाषा-बोध–

1. (क) चाँद - चंद्रमा, शशि, रजनीश, राकेश (ख) फूल - पुष्प, सुमन, कुसुम
   (ग) मछली - मीन, मत्स्य, मकर (घ) आँख - नैन, नयन, चक्षु, नेत्र
   (ङ) सूर्य - रवि, सूरज, दिनकर

2. (क) खिलना – मुरझाना (ख) बाहर – अंदर
   (ग) सोना – जागना (घ) खोलना – बंद करना
   (ङ) ज्ञानी – अज्ञानी (च) प्रश्न – उत्तर
   (छ) रोना – हँसना (ज) साँझ – सुबह / सवेरा

3. (क) तोता – रोता / खोता / सोता (ख) मुसकाता – गुनगुनाता / हडबड़ाता
   (ग) लगाती – सजाती / गुनगुनाती / नहाती (घ) लुटाते – टिमटिमाते, मुसकाते
   (ङ) बदलता – चमकता / टिमटिमाता (च) ज्ञानी – विज्ञानी / अज्ञानी / सयानी
   (छ) उठाओ – पढ़ाओ / बढ़ाओ / सजाओ (ज) जाती – आती / लाती / सजाती

4. (क) साँझ - मैं साँझ के समय खेलने जाती हूँ।
   (ख) सूर्य - पृथ्वी सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाती है।
   (ग) चाँद - चाँद पृथ्वी के चारों ओर चक्कर लगाता है।

(घ) फूल - फूल अपनी सुगंध से उपवन को महकाते हैं।

(ङ) पलकें - मेरी पलकें बहुत घनी हैं।

* बच्चों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

करके सीखिए–

(क) मछली के गिल्स पानी के बाहर काम नहीं करते इसलिए ऑक्सीजन की कमी से वह मर जाती है।

(ख) अधिकतर लोग सोते समय पलकें बंद कर लेते हैं परंतु कुछ लोग किसी बीमारी या चोट लगने के कारण आँखें खोलकर भी सोते हैं।

(ग) नहीं, अधिक खुश होने पर, उबासी लेने पर, कभी-कभी जुखाम लगने पर या प्याज काटने पर भी आँखों में आँसू आ जाते हैं।

अध्याय-2

नदी की आत्मकथा

अभ्यासः (पेज 12)

1. (क) नदियों के जल से लोग फसलों को सींचते हैं, हमें पीने का पानी मिलता है और इनके जल से लोग बिजली भी पैदा करते हैं।

(ख) नदी के पिता 'हिमालय' हैं।

(ग) नदी के उपकार के प्रति मानव कृतघ्न हो गया है।

लिखित–

2. (क) ''तुम्हारा जन्म यहाँ रहने के लिए नहीं हुआ है। तुम्हें अपने शीतल जल से, लाखों-करोड़ों लोगों की प्यास बुझानी है। लोगों पर उपकार करना है, अपने कर्तव्य पथ पर चलते हुए तुम्हें कभी रूकना नहीं है और अंततः सागर में मिल जाना है।''

(ख) नदी को संतोष रहता है कि निरंतर गतिशील रहकर उसने अपने कर्तव्य का पालन किया व मानवमात्र को पुत्रवत् स्नेह दिया।

(ग) नदी के मार्ग में कूड़ा-कचरा, गंदगी और बड़े-बड़े पत्थर आते हैं। नदी इन बाधाओं को अपने साथ बहाकर ले जाती है।

(घ) मनुष्य नदी में कूड़ा-कचरा फेंक देता है, गंदे नाले मिला देता है जिससे नदियों की सुंदरता, स्वच्छता और निर्मलता नष्ट हो जाती है।

(ङ) मनुष्य अगर नदी को प्रदूषित होने से बचाने का संकल्प ले तभी संसार का कल्याण हो सकता है।

3. (क) पर्वतों के राजा ✓ (ख) भावुक ✓ (ग) बाधाओं से ✓ (घ) संसार ✓

(ङ) सागर ✓

4. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓

(घ) ✓ (ङ) ✓

5. (क) दुख ✓ (ख) आवाज़ ✓ (ग) एहसान न माने वाला ✓

(घ) दृढ़ विश्वास ✓ (ङ) बहाव ✓

भाषा-बोध–

1. (क) अंक – संख्या, गोद (ख) कर – हाथ, कार्य करना, टैक्स

(ग) अर्थ – मतलब, प्रयोजन, व्याख्या

2. (क) हिमालय - हिमगिरी, गिरिराज, पर्वतराज (ख) नदी - सरिता, तटिनी

(ग) संसार - जग, विश्व (घ) जल - नीर, पानी (ङ) कन्या – लड़की / पुत्री

करके सीखिए–

उदाहरण उत्तर

एक दिन जब मैं विद्यालय से घर वापस आया तो मेरी माँ ने बताया कि आज घर में पानी नहीं है। मैं बहुत परेशान हो गया क्योंकि मुझे नहाकर अपने दोस्त के घर पढ़ाई करने जाना था। बहुत अधिक गरमी थी इसलिए मैंने अपनी माँ से नींबू पानी बनाने का आग्रह किया तो उन्होंने कहा पानी बहुत कम है इसलिए नींबू पानी की जगह कोल्ड ड्रिंक

से काम चला लो। जब मैं शौच के लिए गया तब भी पानी न होने के कारण मैं आराम से शौच भी न कर पाया। उस दिन मैं कूलर की ठंडी-ठंडी हवा में सो भी न पाया और न ही अपना मनपसंद कार्य– 'पौधों में पानी देना' भी न कर पाया। उस दिन के बाद से मैंने संकल्प कर लिया कि मैं कभी पानी व्यर्थ नहीं बहाऊँगा।

पानी बिन, सब सून

अध्याय-3

दो बैलों की कथा

अभ्यासः (पेज 19)

1. (क) दोनों में खूब भाईचारा था। वे बिना कुछ कहे एक-दूसरे के मन की बात समझ लेते थे।
 (ख) हीरा और मोती में से हीरा अधिक सहनशील था।
 (ग) गया दोनों बैलों से सख्त काम लेता था। दिनभर उन्हें हल में जोतता तथा उन्हें खूब पीटता था। गया उन्हें मोटी रस्सी से बाँधकर रखता व रूखा-सूखा भूसा ही खाने को देता था।

लिखित–

2. (क) गया हीरा-मोती को खूब मारता तथा उन्हें खाने के लिए सूखा भूसा ही देता था इसलिए दोनों बैल वहाँ से भाग निकले।
 (ख) गया के घर से भागने में बैलों की मदद छोटी लड़की ने की क्योंकि उसने सुना था कि दोनों बैलों की नाक में नकेल डाली जाएगी।
 (ग) जब साँड ने हीरा पर वार किया तो मोती ने अपने सीगों से साँड को मारा फिर दोनों ने मिलकर साँड को ज़ख्मी कर दिया।
 (घ) कांजीहौस में उन्हें खाने के लिए कुछ नहीं दिया गया। उन्हें मोटे-मोटे रस्सों से बाँधा गया तथा उनकी खूब पिटाई भी की गई क्योंकि उन्होंने अन्य जानवरों को भगा दिया था।
 (ङ) जब नीलामी के बाद दोनों जा रहे थे तो उन्हें रास्ता जाना पहचाना लगा और वे सीधे अपने घर अपने थान पर जा खड़े हुए।

3. (क) झूरी की पत्नी का भाई ✓ (ख) छोटी लड़की ने ✓ (ग) मटर के ✓ (घ) मोती ने ✓

4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗

5. (क) झूरी द्वार पर ही – धूप का आनंद ले रहा था।
 (ख) तभी दाढ़ीवाला – हाँफता-हाँफता आ पहुँचा।
 (ग) हीरा और मोती ने – आज़ादी की साँस ली।
 (घ) हीरा-मोती ने दूर – तक उसका पीछा किया।
 (ङ) गया के घर में एक – छोटी-सी लड़की रहती थी।

भाषा-बोध–

1. (क) गड्ढे (ख) गाड़ियाँ (ग) पत्नियाँ (घ) बकरियाँ (ङ) घोड़े
2. (क) गले लगाना – बहुत दिनों बाद घर आने पर माँ ने मुझे गले लगाया।
 (ख) हृदय भर आना – छोटे बच्चे को भीख माँगते हुए देखकर मेरा हृदय भर आया।
 (ग) जल-भुन जाना – जब परीक्षा में अच्छे अंक लाने पर मुझे लैपटॉप मिला तो मेरा भाई यह देखकर जल-भुन गया।
 (घ) खाली हाथ लौटना – शिकारी को जब कोई शिकार नहीं मिला तो उसे खाली हाथ लौटना पड़ा।
 (ङ) खलबली मचना – जब राम ने रावण को मारा तो असुरों के बीच खलबली मच गई।
 * विद्यार्थियों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

करके सीखिए–

* बच्चे कहानी को स्वयं अपने शब्दों में सुनाएँगे।

अध्याय-4

अमरनाथ की यात्रा

अभ्यासः (पेज 25)

1. (क) लेखक ने अमरनाथ की यात्रा दिल्ली से आरंभ की थी।

   (ख) पहले दिन रात्रि में लेखक पहलगाँव में वुडस्टॉक होटल में अपने मित्रों के साथ ठहरा था।

   (ग) गहरे हरे रंग की झील शेषनाग में है।

लिखित–

2. (क) बाइसरन, गोल्फ़ मैदान, शिकारगाह, आरू हैं।

   (ख) लेखक अपने मित्रों के साथ शेषनाग 13 अगस्त को शाम 4 बजे पहुँचे थे।

   (ग) अमरनाथ गुफा समुद्र तल से 12,756 फुट की ऊँचाई पर स्थित है।

   (घ) शिवलिंग प्राकृतिक रूप में हिम से बनता है।

3. (क) चार ✓ (ख) लिद्दर ✓ (ग) 16 किलोमीटर ✓ (घ) 12,756 ✓

   (ङ) कबूतरों ✓

4. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗

5. (क) अत्यंत – बहुत अधिक ✓ (ख) संचार – प्रवाह ✓

   (ग) रमणीय – सुंदर ✓ (घ) प्रचलन – रिवाज़ ✓

   (ङ) दर्शनीय – देखने लायक ✓

भाषा-बोध–

1. (क) जीवन – मृत्यु (ख) कठिन – आसान (ग) बाहर – अंदर

   (घ) आरंभ – अंत (ङ) आगे – पीछे

2. (क) दुनिया – जग, संसार (ख) साहस – हिम्मत (ग) शक्ति – ताकत

   (घ) कार्य – काम (ङ) खाना – भोजन

3. (क) जम्मु – जम्मू (ख) बीस्कुट – बिस्कुट

   (ग) शिवलींग – शिवलिंग (घ) स्थानिय – स्थानीय (ङ) रमणिय – रमणीय

करके सीखिए–

* अध्यापिका पहले बच्चों को अनौपचारिक पत्र का प्रारूप समझाएँ। उसके बाद बच्चे पत्र लेखन करें।
प्रारूप (अनौपचारिक पत्र)

आपका पता – (पत्र लिखने वाले का पता)

दिनांक – (जिस दिन पत्र लिखा जाएगा, उस दिन की दिनांक)

संबोधन – (प्रिय– (बराबर व छोटों के लिए) / या आदरणीय (बड़ों के लिए)

अभिवादन – (नमस्ते, सप्रेम नमस्कार, प्रणाम, चरणस्पर्श)

कुशल क्षेम ज्ञापन – (आरंभ में दूसरे व्यक्ति का हाल-चाल पूछें)

मुख्य विषय वस्तु – (पत्र किस बारे में है? इसका वर्णन करें)

आपका संबंध, (अपना संबंध बताएँ – तुम्हारा.... या आपका.....)

आपका नाम (अपना नाम लिखें।)

* यात्रा का वर्णन करते हुए मित्र को पत्र... (उदाहरण पत्र)

ए-15, विष्णु गार्डन

मेरठ

दिनांक-.... / .... / 2023

प्रिय मित्र वनीता

सप्रेम नमस्कार,

आशा करती हूँ कि तुम अपने घर पर सुरक्षित होंगी। तुम्हारा पत्र मिला जिसमें तुमने अपनी विदेश यात्रा के बारे में बताया था। मुझे तुम्हें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अभी कुछ दिन पहले मैं भी दिल्ली गई थी। दिल्ली में मैंने कई सारी इमारतें देखीं जैसे– कुतुब मीनार, बिरला मंदिर, विजय घाट, मुगल गार्डन, जंतर-मतंर, कमल मंदिर आदि। ये सभी स्थल बहुत खूबसूरत थे। इनकी सुंदरता देखकर मैं मंत्रमुग्ध हो गई। मैंने वहाँ कई मॉल भी देखे। सरोजनी नगर, लाजपत नगर व तिलक नगर से खूब सारे कपड़े, खिलौने, पुस्तकें आदि खरीदीं।

मेरी सलाह मानो तो तुम भी एक बार अपने परिवार के साथ राजधानी की सैर ज़रूर करके आना और अपना अनुभव मुझे अवश्य बताना। अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना तथा मुझसे मिलने जल्दी आना।

तुम्हारी मित्र,

सुप्रीत

अध्याय-5

तेनालीरमन

अभ्यासः (पेज 30)

1. (क) विजयनगर के नदी-नाले और तालाब सूख चुके थे।
   (ख) तेनालीरमन राजा कृष्णदेव राय के दरबार से लौट रहे थे।
   (ग) तेनालीरमन के बगीचे में चोर छुप हुए थे।
   (घ) संदूक के अंदर चक्की के दो पाट रखे हुए थे।

लिखित–

2. (क) तेनालीरमन एक बुद्धिमान व चतुर व्यक्ति थे।
   (ख) तेनालीरमन ने अपनी पत्नी से कहा कि वे अपने ज़ेवर लोहे के संदूक में रख दे ताकि तेनालीरमन संदूक को कुएँ में छिपा दें।
   (ग) चोरों को सबक सिखाने के लिए तेनालीरमन ने चक्की के दो पाट संदूक में रखे तथा संदूक को कुएँ में ढकेल दिया।
   (घ) चोर रात भर कुएँ से पानी बाहर निकालते रहे।
   (ङ) मुसीबत के समय हमें बुद्धि से काम लेना चाहिए।
3. (क) एक बगीचा ✓ (ख) एक बड़ा संदूक ✓ (ग) चक्की के दो पाट ✓
   (घ) एक चतुर व्यक्ति ✓ (ङ) बुद्धि ✓
4. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓
5. (क) यह सुनते ही चोरों के – कान खड़े हो गए।
   (ख) यह सुनकर चोरों का – सरदार बहुत खुश हो गया।
   (ग) कुएँ के पास बाल्टियाँ – और रस्सी पड़ी हुई थीं।
   (घ) अंदर तो चक्की के – दो पाट रखे थे।
   (ङ) एक चोर ने पत्थर से – संदूक को ताला तोड़ा।

भाषा-बोध–

1. (क) सरदार – सरदारनी (ख) चोर – चोरनी (ग) सेवक – सेविका (घ) पति – पत्नी
2. (क) घबराहट (ख) छटपटाहट (ग) मुसकराहट (घ) लड़खड़ाहट
   (ङ) फुसफुसाहट

करके सीखिए–

उदाहरण कहानी

एक दिन राजा अकबर और बीरबल राजमहल के बगीचे में टहल रहे थे। तभी बहुत सारे कौए तालाब के पास आकर पानी पीने लगे। कौवों को देखते ही राजा अकबर को एक शरारत सूझी, उन्होंने बीरबल से कहा कि बीरबल बताओ हमारे राज्य में कितने कौए हैं? यह सुनते ही चालाक बीरबल ने कहा ''महाराज पूरे 95, 463 कौए हैं।'' अकबर उत्तर सुनकर हक्के-बक्के रह गए। उन्होंने कहा ''अगर तुम्हारी गिनती से ज़्यादा हुए।'' बिना डर के बीर.

बल बोले– ''तो हो सकता है पड़ोसी राज्य के कौए यहाँ घूमने आए हों।'' और कम हुए तो! अकबर ने फिर पूछा। बीरबल ने कहा ''हो सकता है हमारे राज्य के कुछ कौए किसी अन्य राज्य में रिश्तेदारों के घर घूमने गए हों।'' बीरबल का उत्तर सुनकर अकबर खूब हँसे।

अध्याय–6

समय का महत्व

अभ्यासः (पेज 36)

1. (क) रवि पिकनिक पर जाने वाला था।
   (ख) रवि नए जूते, कपड़े और चॉकलेट के लिए ज़िद कर रहा था।
   (ग) रवि की स्कूल बस समय पर न जागने के कारण तथा नित्यकर्मों को समय पर पूरा न करने की वजह से छूट गई थी।

लिखित–

2. (क) स्कूल से आते ही रवि प्रायः अपना बस्ता एक ओर पटकता और ज़ोर से चिल्लाता था।
   (ख) रवि की मम्मी को लगता था कि रवि बहुत जिद्दी हो गया है, किसी का कहना नहीं मानता है और छोटे-बड़ों का भेद भी नहीं समझता है।
   (ग) आज रवि सुबह दादी से लड़कर स्कूल गया था।
   (घ) देर से उठने पर रवि ने जल्दी-जल्दी ब्रश किया, वह न शौचालय गया, न ही उसने स्नान किया, कपड़े पहने और मम्मी को नमस्ते कहकर बस स्टॉप पर चला गया।
   (ङ) रवि अपनी मम्मी के पास गया और बोला, ''मम्मी, मुझे माफ़ कर दो, अब मैं कभी देर से नहीं जागूँगा। अब मैं स्कूल बस समय से लूँगा और कभी ज़िद नहीं करूँगा।''
3. (क) पिकनिक ✓ (ख) सवा सात ✓ (ग) बैग ✓ (घ) आँसू ✓
   (ङ) समय ✓
4. (क) रवि को – रोते हुए घर आना पड़ा।
   (ख) वह चुपचाप आकर – सोफ़े पर बैठ गया।
   (ग) समय किसी के दबाव में – काम नहीं करता।
   (घ) उसकी स्कूल बस – अभी थोड़ी ही दूर गई थी।
   (ङ) उसके सपने – मिट्टी में मिल गए थे।
5. (क) विनम्रता – सहज भाव ✓ (ख) सहनशीलता – सहन करने की शक्ति ✓
   (ग) ढाँढ़स – तसल्ली ✓

भाषा बोध–

1. (क) रवि (ख) स्कूल (ग) चॉकलेट (घ) दादी (ङ) मम्मी
   (च) बस स्टॉप (छ) बस (ज) जूते
2. (क) शर्मिंदा (ख) चिड़चिड़ा (ग) लक्ष्य (घ) प्रतिदिन (ङ) सुइयाँ
3. (क) स्कूल – हम प्रतिदिन स्कूल जाते हैं।
   (ख) हुक्म – हमें माता-पिता का हुक्म मानना चाहिए।
   (ग) सम्मान – सभी का सम्मान करें।
   (घ) चॉकलेट – अधिक चॉकलेट खाने से दाँतों में कीड़ा लग जाता है।
   (ङ) उपचार – बीमारी का उपचार समय पर करना चाहिए।
   * (विद्यार्थियों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।)

करके सीखिए–

1. (क) रवि एक जिद्दी लड़का था।
   (ख) रवि बड़ों का कहना नहीं मानता था।
   (ग) रवि समय पर अपने कार्य नहीं करता था।

(घ) रवि बड़ों से लड़ाई भी करता था।

(ङ) रवि बहुत लापरवाह लड़का था।

2. (क) समय बहुत महत्त्वपूर्ण है, इसलिए हमें अपने काम समय पर करने चाहिए।

(ख) समय कभी भी किसी के लिए नहीं रुकता, इसलिए सही समय पर कार्य करना ज़रूरी है।

(ग) समय बहुत मूल्यवान है।

(घ) समय की बर्बादी का अर्थ है कि हम अपने जीवन को मुसीबत की ओर ले जा रहे हैं।

(ङ) हमें समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए।

(च) मानव जीवन में समय का बहुत महत्त्व है।

(छ) जो समय का अच्छे से उपयोग करता है, वह अवश्य सफल होता है।

(ज) समय हर एक मनुष्य को अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए मदद करता है।

अध्याय-7

मेरा मन

अभ्यासः (पेज 41)

1. (क) प्रस्तुत कविता में हमारे मन के अंदर चलने वाली उथल-पुथल की भावना को दर्शाने की कोशिश की गई है।

(ख) कवि का मन झरनों की तरह बहता रहता है।

(ग) कवि का मन अपने गुणों की महक फैला जाता है।

लिखित–

2. (क) प्रातः काल के समय कवि झरनों के गीत सुनाना चाहता है तथा प्रसन्न हृदय से बाँसुरी बजाना चाहता है।

(ख) स्निग्ध चाँदनी में कवि का मन परियों को अपने पास बुलाना चाहता है।

(ग) पर-पीड़ा देखकर कवि का मन घबरा जाता है।

(घ) अगर सभी के जीवन का लक्ष्य दूसरों का भला करना बन जाए तो धरती पर स्वर्ग उतर सकता है।

3. (क) मुदित हृदय से वंशी लेकर
वन को गीत सुनाता हूँ मैं।

(ख) मेरे मन का फ़ूल निरंतर
गुण-सौरभ फैला जाता है।

(ग) अच्छा होगा इस जग में फिर
उपकारी बनकर आना।

4. (क) प्रातः – सवेरा (ख) लक्ष्य – उद्देश्य (ग) स्निग्ध – चिकनी

(घ) बेला – समय (ङ) उपकार – भलाई

5. (क) सुंदर ✓ (ख) उपकारी ✓ (ग) स्निग्ध ✓ (घ) चाँदनी ✓

भाषा बोध–

1. (क) सेवरा – सुबह, प्रातःकाल, भोर, प्रभात

(ख) आकाश – नभ, आसमान, गगन

(ग) जंगल – वन, कानन, अरण्य

(घ) मनुष्य – मानव, मानुष, आदमी, इंसान

(ङ) फूल – पुष्प, सुमन, कुसुम

2. (क) मुद्रित – (प्रसन्न)– कवि मुद्रित हृदय से बाँसुरी बजाना चाहता है।

(ख) गगन – (आकाश) – रात को गगन में चमचमाते हुए तारे देखना मुझे बहुत पसंद है।

(ग) अभिनंदन – (स्वागत) – क्षमा चाहता हूँ, मैं आपका अभिनंदन करना भूल गया।

(घ) निरंतर – (लगातार) – समय निरंतर चलता रहता है।

(ङ) उपकार – (भलाई) – दूसरों का उपकार करना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

* बच्चों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

करके सीखिए–

* बच्चे स्वयं कोई कविता याद करके उसकी आठ पंक्तियाँ लिखेंगे।

उदाहरण कविता– मन करता है सूरज बनकर

आसमान में दौड़ लगाऊँ।
मन करता है चंदा बनकर
सब तारों पर अकड़ दिखाऊँ।
मन करता है बाबा बनकर
घर में सब पर धौंस जमाऊँ।
मन करता है पापा बनकर
मैं भी अपनी मूँछ बढ़ाऊँ।

अध्याय-8

ग्रामीण जीवन

अभ्यासः (पेज 46)

1. (क) प्रस्तुत पत्र केशव (लेखक) ने अपने मित्र माधव को लिखा है।
   (ख) लेखक गरमी की छुट्टियों में गाँव गया था।
   (ग) मुझे गाँव का परिवेश अच्छा लगता है क्योंकि वहाँ खूब हरियाली होती है, प्रदूषण नहीं होता, सीधे-सरल लोग होते हैं। उन्हें जो मिल जाए उसी में खुश रहते हैं।
   * बच्चों का उत्तर भिन्न हो सकता है।

लिखित–

2. (क) केशव पत्र का उत्तर इसलिए न दे सका क्योंकि वह अपने नाना-नानी के पास उनके गाँव चला गया था।
   (ख) गाँववासी बहुत ईमानदार और अतिथि का सत्कार करने वाले होते हैं।
   (ग) केशव सुबह जल्दी उठकर दैनिक क्रिया से निवृत्त होकर अपने मामा के साथ खेतों की ओर निकल जाता था।
   (घ) ग्रामीण लोग नए रोज़गार तलाशने के लिए शहर की ओर जा रहे हैं।
   (ङ) इस पाठ से हमें पता चलता है कि चाहे हमारा देश तरक्की कर रहा है, फिर भी गाँवों में बहुत-सी चीज़ों का आभाव अभी भी है।
3. (क) माधव को ✓ (ख) गाँवों में ✓ (ग) शुद्ध ✓ (घ) शिक्षा ✓ (ङ) डॉक्टर ✓
4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓
5. (क) क्योंकि ✓ (ख) सौंदर्य ✓ (ग) ग्रामीण ✓ (घ) तरक्की ✓ (ङ) आत्मसंतोष ✓
6. (क) ग्रामीण जीवन की जितनी तारीफ़ – की जाए, उतनी ही कम है।
   (ख) ये हृदय से सीधे, – सच्चे और पवित्र होते हैं।
   (ग) गाँव में ही मैंने – प्रकृति का शुद्ध रूप देखा।
   (घ) छल-कपट से तो ये – कोसों दूर रहते हैं।
   (ङ) ग्रामीण लोग व्यर्थ में अधिक – पैसा व्यय नहीं करते।

भाषा बोध–

1. (क) ज्ञान – अज्ञान (ख) शुभ – अशुभ (ग) पवित्र – अपवित्र (घ) संतोष – असंतोष
   (ङ) सत्य – असत्य
2. गाँव में ही मैंने प्रकृति का शुद्ध रूप देखा। सचमुच जो आनंद मुझे यहाँ के बाग-बगीचों, कच्चे लिपे-पुते घरों में प्राप्त हुआ, वह शहर में कभी नहीं प्राप्त हुआ।

करके सीखिए–

मुझे गाँव पसंद है क्योंकि यहाँ लोग सादा जीवन जीते हैं। प्यार और स्नेह इनके अंदर कूट-कूटकर भरा होता है। ये लोग व्यर्थ में पैसा व्यय नहीं करते। यहाँ खेत ही खेत दिखाई देते हैं। यहाँ शुद्‌ध व ताज़ी हवा मिलती है। चिड़ियों की चहचहाहट सुनाई देती है।

* बच्चों की पसंद तथा विचार भिन्न हो सकते हैं।

अध्याय-9

अनमोल वचन

अभ्यास: (पेज 50)

1. (क) सज्जन पुरुष परमारथ (परोपकार) करने के लिए जन्म लेते हैं।
   (ख) जो संकट के समय काम आता है, वही सच्चा मित्र होता है।
   (ग) कबीर जी ने कल के काम को आज ही करने के लिए इसलिए कहा है क्योंकि अगले पल का कोई भरोसा नहीं है, कब कोई संकट या प्रलय आ जाए किसी को नहीं पता इसलिए कल के काम को भी आज ही समाप्त कर दो।

लिखित–

2. (क) आँसू आँखों से छलककर मन की पीड़ा को प्रकट कर देते हैं।
   (ख) सरस्वती यानी ज्ञान के भंडार की यह विशेषता है कि उसे जितना खर्चा जाए वह उतना बढ़ता है और खर्च न करने पर वह कम हो जाता है।
   (ग) विद्या धन प्राप्त करने के लिए श्रम (मेहनत) करना पड़ता है।
   (घ) जिस तरह फटे हुए दूध को मथने पर उसमें से मक्खन नहीं निकल सकता, उसी तरह बिगड़ी बात भी नहीं बन सकती।
   (ङ) मधुर वचन बोलने से बड़े-बड़े लोगों का अभिमान मिट जाता है।
3. (क) ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
   औरन को सीतल करे, आपहुँ सीतल होय।।
   कवि – कबीर
   (ख) रहिमन अँसुवा नैन ढरि, जिय दुख प्रगट करेइ।
   जाहि निकारौ गेह ते, कस न भेद कहि देइ।।
   कवि – रहीम
   (ग) मधुर वचन ते जात मिटि, उत्तम जन अभिमान।
   तनिक शीत जल सों मिटै, जैसे दूध उफान।।
   कवि – वृंद

भाषा बोध–

1. (क) पल – क्षण (ख) नीर – पानी (ग) भेद – रहस्य
   (घ)औरन – दूसरे (ङ) पौन – हवा
2.

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
(क) कबीरदास	(क) घर	(क) शीतलता
(ख) रहीम	(ख) मक्खन	(ख) अमीरी
(ख) अशोक	(ख) सरोवर	(ख) अभिमान

करके सीखिए–

(क) कबीर

1. गुरु गोविंद दोनों खड़े, काके लागूँ पाँय।
   बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो मिलाय।।
2. साईं इतना दीजिए, जा में कुटुम समाय।
   मैं भी भूखा न रहूँ, साधु ना भूखा जाय।।

(ख) रहीम

1. समय पाय फल होत है, समय पाय झरी जात।
   सदा रहे नहिं एक सौ, का रहीम पछितात।।
2. दुख में सुमिरन सब करें, सुख में करें न कोय।
   जो सुख में सुमिरन करें, तो दुख काहे होय।।

(ग) वृंद

1. नीकी पै फीकी लगै, बिन अवसर की बात।
   जैसे बरनत जुद्‌ध में, नाहिं सिंगार सुहात।।
2. सबै सहायक सबल के, कोई न निबल सहाय।
   पवन जगावत आग को, दीपहि देत बुझाय।।

* विद्‌यार्थी इन सभी कवियों के अन्य दोहे भी लिख सकते हैं, जो उन्होंने याद किए होंगे। उन्हें उचित ही माना जाएगा।

अध्याय–10

दिल्ली की सैर

अभ्यासः (पेज 56)

1. (क) महाभारत काल में इसे 'इंद्रप्रस्थ' कहा जाता था।
   (ख) दिल्ली का प्रसिद्‌ध बाज़ार 'चाँदनी चौक' है।
   (ग) लौह – स्तंभ 'विक्रमादित्य' ने बनवाया था।

लिखित–

2. (क) संसद भवन, इंडिया गेट, राष्ट्रपति भवन, बिड़ला मंदिर, विज्ञान मंदिर आदि।
   (ख) लाल किला, जामा-मस्जिद, कुतुबमीनार, हुमायूँ का मकबरा आदि।
   (ग) कुतुबमीनार सुंदर बाग-बगीचों से घिरा है, इसे कुतुब-उद-दीन ऐबक ने बनवाया था। इसकी ऊँचाई 73 मीटर है, इसमें 5 मंज़िलें हैं और 379 से अधिक सीढ़ियाँ हैं।
   (घ) सैकड़ों वर्ष बीत जाने पर भी लौह-स्तंभ पर हवा, पानी और धूप का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। यही इसकी विशेषता है।
   (ङ) बिड़ला मंदिर, गौरी शंकर मंदिर, शीशगंज गुरुद्‌वारा और जैन मंदिर।
3. (क) दिल्ली ✓ (ख) इन्द्रप्रस्थ ✓ (ग) दो ✓ (घ) कुतुबमीनार ✓
   (ङ) लौह स्तंभ को ✓
4. (क) विक्रमादित्य – लौह स्तंभ
   (ख) अलाउद्‌दीन खिलजी – सिरी
   (ग) शीशगंज – गुरुद्‌वारा
   (घ) पांडवों की राजधानी – इंद्रप्रस्थ
   (ङ) देश का दिल – दिल्ली
5. (क) विशेषता (ख) शीशगंज (ग) आनंददायिनी (घ) वास्तव
   (ङ) रोमांचकारी

भाषा-बोध–

1. (क) उचित – आपका प्रश्न उचित है।
   (ख) निराली – दिल्ली की शान ही निराली है।
   (ग) स्टेशन – रेलगाड़ी स्टेशन पर आ गई है।
   (घ) वार्षिक – मेरी वार्षिक परीक्षा जल्दी ही शुरू होने वाली है।
   (ङ) विख्यात– कबीर जी अपने दोहों के लिए विख्यात हैं।
   * विद्‌यार्थियों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।

2. (क) वर्तमान काल (ख) भूतकाल (ग) भविष्यत काल (घ) भूतकाल

3. (क) मुझे न जाने कब नींद आ गई?

(ख) कुतुबमीनार लोगों का मन मोह लेता है।

(ग) चाचा जी ने मुझे देख लिया।

(घ) हम कार में बैठकर उनके साथ चल दिए।

(ङ) चार दिन पूर्व ही मेरी वार्षिक परीक्षा समाप्त हुई थी।

करके सीखिए–

1. बच्चे स्वयं दिल्ली के प्रमुख स्थलों के चित्र अपनी कार्य-पुस्तिका में चिपकाकर उनके नाम लिखेंगे।

2. 'हमारी दिल्ली'

'दिल्ली' हमारे देश भारत की राजधानी है और इसे कई राजाओं ने अपनी राजधानी बनाया था। पहले इसे 'इंद्रप्रस्थ' भी कहा जाता था। यहाँ बड़े-बड़े सरकारी दफ़्तर, संसद भवन, राष्ट्रपति भवन तथा सभी बड़ी राजनीतिक पार्टियों के कार्यालय हैं। यहाँ पर देखने के लिए कई दर्शनीय स्थल हैं जैसे लाल किला, बिरला मंदिर, कुतुबमीनार, गुरुद्वारा बंगला साहिब, जंतर-मंतर आदि। यहाँ पर लोगों के लिए बहुत-सी नौकरियाँ भी उपलब्ध हैं। यह हमारे देश का दिल है तथा लाखों लोग देश-विदेश से यहाँ घूमने आते हैं। यहाँ की मेट्रो रेल की सवारी करना अनोखा अनुभव देता है। चाँदनी चौक, लाजपत नगर, कनॉट पलेस, सरोजनी नगर जैसी जगहें बहुत प्रसिद्ध हैं। यहाँ सभी वर्गों, जाति व धर्म के लोग मिल-जुलकर रहते हैं।

अध्याय-11

चरवाहे का बचपन

अभ्यासः (पेज 61)

1. (क) होश सँभालने के बाद चरवाहे ने अपने आप को वन में पाया।

(ख) नहीं, चरवाहे किसी से ईर्ष्या नहीं करते हैं।

(ग) यह कविता 'मैथिलीशरण गुप्त' जी ने लिखी है।

लिखित–

2. (क) चरवाहा एक भैंस और दो गायें लेकर दिनभर उन्हें चराता था।

(ख) चरवाहे का भरण-पोषण खेती से होता था।

(ग) प्रकृति के भरे भंडार को देखकर चरवाहे का श्रम (थकावट) मिट जाता था।

(घ) चरवाहा और उसके साथी विशेष तरह की आवाज़ें निकालकर पशुओं को बुलाते थे।

(ङ) चरवाहा अपने बचपन को लौटाने की बात कर रहा है।

3. (क) एक भैंस दो गायें लेकर,
दिनभर उन्हें चराता था।
घर आकर ब्यालू में माँ से,
एक पाव पय पाता था।।

(ख) बंदर सम पेड़ों पर चढ़ते,
डालें कभी हिलाते थे।
पके-पके फल तोड़-तोड़कर,
खाते और खिलाते थे।।

(ग) लौटा दो, लौटा दो बचपन,
कोई मेरा समय वही।
मैं न मरूँ पाऊँ यदि उसको,
है जीवन का यत्न यही।।

4. (क) यत्न – प्रयास (ख) लज्जा – शरम (ग) निर्मल – साफ़

(घ) मोद – खुशी (ङ) पेय – दूध

भाषा बोध–

1. (क) मोद– जीवन में हँसी और मोद दोनों आवश्यक हैं।
   (ख) भंडार – लेखक के पास शब्द-रत्नों का भंडार होना चाहिए।
   (ग) श्रम– श्रम के बिना सफलता प्राप्त नहीं होती।
   (घ) निर्मल – उसका मन गंगाजल की तरह निर्मल है।
   (ङ) ग्लानि – जीवों पर अत्याचार करने के बाद शिकारी को अपने ऊपर ग्लानि हो रही थी।
   * विद्यार्थियों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं।
2. (क) भूमि – धरती, ज़मीन (ख) निर्मल – साफ़, स्वच्छ (ग) संसार – जग, विश्व
   (घ) जीवन – प्राण, ज़िंदगी (ङ) साथी – दोस्त, सखा
3.

	विशेष्य	विशेषण		विशेष्य	विशेषण
(क)	दशा	दीन	(ख)	मन	निर्मल
(ग)	छाया	गहरी	(घ)	भाव	निश्चिंत
(ङ)	भूमि	हरी-भरी			

करके सीखिए–

(क) यह एक हरे-भरे बगीचे का चित्र है।
(ख) चित्र में एक बच्चा भगवान कृष्ण का रूप धारण करके खड़ा है।
(ग) बच्चा लकड़ी की बाँसुरी से मधुर धुन बजा रहा है।
(घ) बाँसुरी की मधुर आवाज़ सुनकर बहुत-सी गायें बच्चे के आसपास आ गई हैं।
(ङ) यह चित्र हमें भगवान कृष्ण के बचपन की याद दिला रहा है।
(च) बच्चे के सिर पर सुंदर-सा मोर पंख भी सजा हुआ है।
(छ) बच्चे का शरीर भी नीले रंग से रंगा हुआ है।
(ज) यह बहुत मनमोहक चित्र है।

अध्याय–12

जहाँ चाह वहाँ राह

अभ्यासः (पेज 66)

1. (क) ग्लेन कनिंघम आठ वर्ष की आयु में दुर्घटना का शिकार हो गए थे।
   (ख) डॉक्टरों ने निराश होकर कहा था कि ग्लेन कनिंघम कभी चल नहीं पाएँगे।
   (ग) ग्लेन कनिंघम सात वर्ष तक सेना में कार्य करते रहे।

लिखित–

2. (क) एक अपंग व्यक्ति ने श्रेष्ठ धावक का खिताब जीतकर रजत पदक जीता था।
   (ख) जब डॉक्टरों ने बताया कि ग्लेन कनिंघम कभी चल नहीं पाएँगे तो उनके माता-पिता निराश हो गए।
   (ग) ग्लेन कनिंघम ने विकलांग बच्चों के लिए एक आश्रम की स्थापना कर उन्हें नया जीवन दिया।
   (घ) 1933 में उन्होंने अमेरिका के सर्वश्रेष्ठ धावक के रूप में जेम्स ई. सलीबन अवार्ड जीतकर, स्वर्ण पदक प्राप्त किया था।
   (ङ) इसका अर्थ है कि अगर आप में कुछ करने की चाह है तो कोई भी परेशानी आ जाए, आप अपनी राह बना लेंगे यानी कामयाब हो जाएँगे।
3. (क) रजत पदक ✓ (ख) होशियार ✓ (ग) आठ ✓ (घ) आठ ✓
   (ङ) दोनों सही ✓
4. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓
   (ङ) ✗

5. (क) विलक्षण – अद्‌भुत (ख) अपंग – अंगहीन (ग) सर्वश्रेष्ठ – सबसे उत्तम
(घ) धावक – दौड़ने वाला (ङ) ईर्ष्या – जलन का भाव

भाषा-बोध–

1. (क) आँखें फटी रह जाना – एक अपंग व्यक्ति ने जब श्रेष्ठ धावक का खिताब जीता तो सभी की आँखें फटी रह गईं।
(ख) दौड़-धूप करना – राहुल ने अच्छी नौकरी पाने के लिए खूब दौड़-धूप की थी।
(ग) रंग लाना – सुंदर पहले रेड़ी पर कपड़े बेचा करता था लेकिन बाद में उसकी मेहनत रंग लाई और उसने दुकान खरीद ली।
(घ) आँखों के आगे अँधेरा छाना – कारोबार में लगातार घाटे के कारण उसकी आँखों के आगे अँधेरा छा गया।
(ङ) मुँह पर ताला लगाना – कक्षा में अध्यापिका के आने पर सब बच्चों के मुँह पर ताला लग गया।
* विद्‌यार्थियों के वाक्य भिन्न हो सकते हैं। अध्यापिका ध्यान दें कि उन वाक्यों में मुहावरों का प्रयोग उचित प्रकार से किया गया हो।

2. (क) प्रतिभावान (ख) अपूर्व (ग) सर्वोत्तम
(घ) विश्वयुद्‌ध (ङ) अपंग / विकलांग

करके सीखिए–

* बच्चे स्वयं जानकारी प्राप्त कर कक्षा में बताएँगे।

अध्यापक व अध्यापिकाओं के लिए जानकारी–

ओलंपिक खेलों के जन्मदाता पियरे डे कोबर्टिन हैं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय आलेंपिक समिति की स्थापना 23 जून 1894 को की थी। इसका मुख्यालय स्विटजरलैंड में है। ओलंपिक झंडे में 5 रिंग (नीले, पीले, काले, हरे व लाल रंग में) होते हैं। ये रिंग पाँच महाद्वीप अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, यूरोप और ओशिनिया के आपसे में जुड़े रहने का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन खेलों का उद्‌देश्य आपसी भाईचारा, शांति तथा मित्रता व विश्व को एकजुट रखना है। ओलंपिक खेल चार प्रकार के होते हैं। जैसे ग्रीष्मकालीन, शीतकालीन, पैरालंपिक और यूथ ओलंपिक। सबसे पहला ओलंपिक खेल ग्रीस में (एथेंस) 1896 को आयोजित किया गया था। यह खेल हर 4 साल बाद खेला जाता है। इस आयोजन में 40 से अधिक खेल खेले जाते हैं।

अध्याय–13

राखी

(केवल पठन हेतु)

अध्याय–14

हार की जीत

अभ्यासः (पेज 73)

1. (क) बाबा भारती अपने घोड़े को 'सुलतान' कहकर बुलाते थे।
(ख) डाकू का नाम खड्‌गसिंह था।
(ग) अपाहिज के वेश में डाकू खड्‌गसिंह था।

2. (क) जितना लगाव एक माँ को बच्चे से तथा किसान को अपने खेतों से होता है, उतना ही लगाव बाबा भारती को अपने घोड़े से था।
(ख) खड्‌गसिंह बाबा भारती के पास उनका घोड़ा देखने के लिए आया था।
(ग) खड्‌गसिंह ने कहा, ''बाबा जी! मैं यह घोड़ा आपके पास नहीं रहने दूँगा।
(घ) बाबा भारती ने खड्‌गसिंह को किसी को भी यह बताने के लिए मना किया कि उसने घोड़ा कैसे लिया।
(ङ) घोड़े को अस्तबल में बँधा देखकर वे उसे गले लगाकर रोने लगे।

3. (क) सुलतान ✓ (ख) एक प्रसिद्‌ध डाकू ✓ (ग) अस्तबल में ✓ (घ) लगाम ✓
(ङ) ऊँचे ✓

4. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗
(ङ) ✓

5. (क) अचानक बाबा भारती के – हाथ से लगाम छूट गई।
(ख) उसने सुलतान को – अस्तबल में बाँध दिया।
(ग) ऐसा मनुष्य, मनुष्य नहीं, – देवता के समान है।
(घ) उसने अपने जीवन में ऐसा – सुंदर घोड़ा देखा ही न था।
(ङ) वे घोड़े की चाल – पर लट्टू थे।

भाषा-बोध–

1. (क) चाल पर लट्टू होना – खड्ग सिंह बाबा भारती के घोड़े की चाल पर लट्टू था।
(ख) दिल टूटना – जब भारत क्रिकेट मैच में हारा तो भारतीय दर्शकों का दिल टूट गया।
(ग) नेकी के आँसू आना – भूखे बच्चे को भरपेट खाना खिलाने के बाद मेरी माँ के नेकी के आँसू निकल आए।
2. (क) बातें (ख) घटनाएँ (ग) कंगले (घ) आँखें (ङ) घोड़े
3. (क) घोड़ा – अश्व, घोटक, तुरंग, तुरग (ख) बेटा – पुत्र, सुत, नंदन
(ग) आँख – नैन, नयन, नेत्र (घ) माँ – जननी, मैया, माता
(ङ) वृक्ष – पेड़, तरु, विटप

करके सीखिए–

* यह प्रश्न बच्चे स्वयं करेंगे क्योंकि अपने विचार वे स्वयं वार्तालाप में प्रस्तुत करेंगे। बातचीत में बच्चे इस पाठ का उदाहरण भी रख सकते हैं।

अध्याय-15

शुद्ध पानी की खोज

अभ्यासः (पेज 79)

1. (क) मीना छत पर सो रही थी।
(ख) मीना की छत पर एक रॉकेट आया जिसमें से एक विचित्र प्राणी उतरा था।
(ग) रॉकी ने मीना से शुद्ध पानी माँगा था।
(घ) नदी का पानी ज़हरीले रसायनों से भरा हुआ था।

लिखित–

2. (क) रॉकी ने कहा, ''नहीं, यह पानी मेरे किसी काम का नहीं है। लोग साबुन और रसायनों से इसे अशुद्ध कर रहे हैं।
(ख) कारखानों में से रसायनों को नदी में बहा देने के कारण नदी का पानी ज़हरीला हो जाता है।
(ग) रॉकी अंटार्कटिका शुद्ध पानी लेने के लिए गया।
(घ) रॉकी ने चेतावनी दी कि इंसान हर बार पानी लेने अंटार्कटिका नहीं जा सकता इसलिए पृथ्वी के पानी को शुद्ध रहने दो।
(ङ) हमें पानी को अशुद्ध होने से बचाना चाहिए क्योंकि यही एक ग्रह है, जहाँ पानी है और जल ही जीवन है।
3. (क) वह चौंक गई ✓ (ख) शुद्ध पानी ✓ (ग) झील पर ✓ (घ) पृथ्वी ✓
(ङ) अंटार्कटिका ✓
4. (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓
(ङ) ✓
5. (क) इसमें खाद और कीड़े – मारने वाली दवाइयाँ मिली हुई हैं।
(ख) मीना की समझ में नहीं – आ रहा था कि वह क्या करे।
(ग) वह सोचने लगी, कि पानी – और कहाँ-कहाँ मिल सकता है।
(घ) मीना गहरी नींद में – सो रही थी।
(ङ) नदी पर पहुँचकर रॉकी – ने पानी की जाँच की।

भाषा-बोध–

1. (क) ज़हर – ज़हरीला (ख) रंग – रंगीला / रंगीन (ग) चमक – चमकीला
(घ) सुर – सुरीला (ङ) खर्च – खर्चीला

2. (क) सुबह – सवेरा, भोर, प्रातःकाल (ख) घर – मकान, गृह, सदन
(ग) पानी – जल, नीर, अंबु (घ) आकाश – आसमान, नभ, गगन
(ङ) पृथ्वी – धरा, धरती, जगत

3. (क) वह, कहाँ (ख) वे (ग) मेरा (घ) मैं
(ङ) तुम, क्या

करके सीखिए–

1. झील, नदी, तालाब, कुएँ, नहर, झरने, बारिश से, समुद्र
2. पोस्टर बच्चे स्वयं बनाएँगे।

अध्याय–16

चतुर चित्रकार

अभ्यासः (पेज 83)

1. (क) यह कविता एक चित्रकार की चतुराई से संबंधित है।
(ख) यह कविता रामनरेश त्रिपाठी जी ने लिखी है।
(ग) इस कविता में चित्रकार की चतुराई और बुद्धिमानी का वर्णन है।

लिखित–

2. (क) चित्रकार ने शेर से कहा कि वह उसका सुंदर-सा चित्र बनाएगा।
(ख) जब शेर ने चित्रकार की तरफ़ अपनी पीठ की तो चित्रकार नाव में बैठकर वहाँ से दूर चला गया।
(ग) शेर धोखा खाने की वजह से झुँझला रहा था।
(घ) शेर चित्रकार को इसलिए बुला रहा था ताकि वह चित्रकार को पकड़कर उसे सबक सिखा सके।
(ङ) चित्रकार शेर से बहुत दूर चला गया था तथा शेर चित्रकार को उकसाकर उसे पकड़ना चाहता था।

3. (क) जंगल में ✓ (ख) शेर ✓ (ग) जंगल का सरदार ✓

4. (क) चित्रकार <u>सुनसान जगह</u> में बना रहा था चित्र।
इतने ही में <u>वहाँ आ गया</u>, <u>यम राजा</u> का मित्र।
(ख) बैठ गया वह <u>पीठ फिराकर</u>, <u>चित्रकार</u> की ओर।
चित्रकार चुपके <u>से खिसका</u>, जैसे <u>कोई चोर</u>।
(ग) शेर बहुत <u>खिसियाकर बोला</u>, <u>नाव ज़रा ले</u> रोक।
<u>कलम</u> और <u>कागज़</u> तो ले जा, रे <u>कायर डरपोक</u>।

भाषा-बोध–

1. (क) बड़ी / सुंदर / खुली जगह (ख) कायर / बहादुर / डरपोक / चतुर चित्रकार
(ग) टूटा / बड़ा / छोटा / लाल अंग (घ) सुंदर / खराब / नया / पुराना चित्र
(ङ) बड़ी / कम / थोड़ी / हिम्मत
* बच्चे ऊपर लिखे विशेषणों से अलग विशेषण शब्द भी लिख सकते हैं।

2. (क) राजा – रंक (ख) मित्र – शत्रु (ग) दूर – पास (घ) डरपोक – निडर

3. (क) नदी – सरिता, तटिनी (ख) पहाड़ – पर्वत, नग
(ग) पेड़ – तरु, वृक्ष (घ) पत्ता – पल्लव, पत्र, पात
(ङ) आँख – नयन, नैन

करके सीखिए–

यदि चित्रकार को झील के किनारे नाव न मिलती तो चित्रकार शेर को कहता कि मैंने आपका बहुत सुंदर चित्र बनाया है। आप पहले देख लीजिए फिर मुझे खा लीजिएगा। जब शेर चित्र देख लेता तो चित्रकार उसे आग्रह करता कि आप एक बार नदी में अपना चेहरा देख लो ताकि आपको पता चल सके कि मैंने आपका सही चित्र बनाया है या नहीं। जैसे ही शेर अपना चेहरा देखने के लिए नदी में झाँकता वैसे ही चित्रकार उसे नदी में धक्का दे देता। इस प्रकार चित्रकार अपनी जान बचा लेता।

* बच्चों के उपाय भिन्न हो सकते हैं।

अध्याय-17

बच्चों का चमत्कार

(केवल पठन हेतु)

अध्याय-18

पिता का पत्र, पुत्र के नाम

अभ्यासः (पेज 93)

1. (क) 'बा' गांधी जी की पत्नी कस्तूरबा गांधी थीं।
   (ख) 'सच्ची शिक्षा' चरित्र-निर्माण और कर्तव्य का बोध है।
   (ग) गांधी जी अपने पुत्र को एक योग्य किसान बनाना चाहते थे।

लिखित–

2. (क) गांधी जी ने जिन तीन बातों को महत्त्वपूर्ण बताया है, वे हैं– अपनी आत्मा का, अपने आप का और ईश्वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करना।
   (ख) गांधी जी ने पत्र में अपने बेटे को हिंदी, गुजराती और अंग्रेज़ी के चुने हुए भजनों एवं कविताओं का एक संग्रह तैयार करने के लिए कहा।
   (ग) गांधी जी के अनुसार सूर्योदय से पहले उठकर प्रार्थना करना अच्छा है तथा प्रार्थना एक निश्चित समय पर ही करनी चाहिए।
   (घ) गांधी जी ने अपनी आत्मा का, अपने आप का और ईश्वर का सच्चा ज्ञान प्राप्त करने को कहा है। इन बातों को अपनाने से व्यक्ति संसार से किसी भी कोने में जाकर अपना निर्वाह कर सकता है।
   (ङ) इस पत्र को पढ़कर हमें पता चलता है कि केवल अक्षर ज्ञान प्राप्त करना ही सच्ची शिक्षा नहीं है। अक्षर ज्ञान के साथ-साथ चरित्र निर्माण और अपने कर्तव्य का बोध करना ही सच्ची शिक्षा है।
3. (क) एक ✓ (ख) दूध-साबूदाना ✓ (ग) गरीबी में ✓ (घ) गणित-संस्कृत ✓
4. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓
   (ङ) ✗
5. (क) पूर्णरूप – पूरी तरह (ख) मूल्यवान – कीमती (ग) संग्रह – संकलन
   (घ) तुलना – अपेक्षा (ङ) सदगुण – अच्छे गुण

भाषा-बोध–

1. (क) समान – अमीर हो या गरीब राजा को सबके साथ समान (बराबर का) व्यवहार करना चाहिए।
   सम्मान – किसी के प्रति आदर का भाव रखना, उस व्यक्ति का सम्मान करना कहलाता है।
   (ख) आदी (आदत) – पहले मैं दिल्ली शहर को देखकर हैरान था, पर अब आदी हो गया हूँ।
   आधी (आधा) – मुझे आधी रोटी ही खानी है।
   (ग) योग – योग से हमारे मन, शरीर और आत्मा तीनों का विकास होता है।
   योग्य (काबिल) – हमारे देश में देखने योग्य कई सारी इमारते हैं।
   (घ) पढ़ा (पढ़ना) – हमने यह समाचार अभी नहीं पढ़ा है।
   पड़ा – तुम्हारा कुछ सामान दरवाज़े के पास पड़ा है।
   (ङ) चिंता – मेरे माता-पिता को मेरी दिन-रात चिंता सताती है।
   चिता – अधिक चिंता करना, चिता के समान है।
   या
   जलती चिता से दूर रहिए।
   * बच्चों के विचार भिन्न हो सकते हैं।
2. (क) योग्य – अयोग्य (ख) आशा – निराशा (ग) कठिन – सरल
   (घ) उपयोगी – अनुपयोगी (ङ) सुखद – दुखद

3. (क) नियम – पूर्वक (ख) मूल्य – वान (ग) महत्त्व – पूर्ण
(घ) ज़िम्मे-दारी (ङ) साबू – दाना

करके सीखिए–

1. इस पत्र से हमने सीखा कि केवल पढ़ा-लिखा होना ही हमारे लिए काफ़ी नहीं है, एक पूर्ण इंसान वही है जिसे अक्षर ज्ञान तो हो ही, साथ ही उसका चरित्र भी अच्छा हो और उसे अपने कर्तव्यों के बारे में भी पता हो। जिन्हें वह समय पर पूरा करे। इसके साथ ही गांधी जी हमें अपने बारे में जानने के लिए कहते हैं ताकि हम अपनी कमियों पर कार्य कर सकें तथा जितना मिले उतने में ही संतुष्ट रहने की सलाह देते हुए वे हमें नियमित रूप से भगवान की प्रार्थना करने के लिए कहते हैं ताकि हमारी आत्मा भी सुख प्राप्त कर सके।

2. गांधी जी– हमारे आदर्श

महात्मा गांधी हमारे देश के एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे। उनका जन्म 2 अक्तूबर को पोरबंदर में हुआ था। वे हमेशा सत्य, अहिंसा के रास्ते पर चलते थे तथा सभी को हिंसा व झूठ से दूर रहने को कहते थे। वे सादा जीवन जीते थे तथा वे एक सफल वकील थे। उन्होंने हमारे देश को आज़ाद कराने के लिए कई आंदोलन किए जैसे नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन।

उनके इन सभी गुणों के कारण लोग उन्हें 'बापू' कहते हैं तथा वे आज भी हमारे राष्ट्रपिता कहलाते हैं।

अध्याय-19

महान वैज्ञानिक : विलियन डी. वेस्ट

अभ्यासः (पेज 100)

1. (क) वैज्ञानिको ने विज्ञान को समृद्ध बनाया है।
(ख) विलियम डी. वेस्ट के पिता का नाम ए.जे.वेस्ट था।
(ग) विलियम डी. वेस्ट के पिता रेल परियोजना अधिकारी थे।
(घ) अफ़गानिस्तान में वे 'सितारा-ए-अफ़गानिस्तान से नवाज़े गए।
(ङ) 1947 में विलियम डी. वेस्ट को लंदन की 'जियोलॉजिकल सोसाइटी' के 'लायल मेडल' से अलंकृत किया गया।

लिखित–

2. (क) विलियम डी. वेस्ट एक भू-वैज्ञानिक थे। इनका जन्म 27 जनवरी, 1901 को कस्बा बर्नमाऊथ, इंग्लैंड में हुआ था।
(ख) विलियम डी. वेस्ट ने अपनी शिक्षा केंटरबरी के किंग्स स्कूल से प्राप्त की थी।
(ग) विलियम डी. वेस्ट 'विंचस्टेट सम्मान' सितारा-ए-अफ़गानिस्तान', 'लायल मेडल' और 'बोस मेमोरियल मेडल' से नवाज़े गए।
(घ) विलियम 'इंडियन जियोलॉजिकल सर्वे' की एक परियोजना में कार्य करने के लिए भारत आए थे। उन्होंने सॉसर, छिंदवाड़ा, नागपुर, सिवनी, बालाघाट एवं चंदरपुर क्षेत्रों में खनिजों की खोज की।
(ङ) विलियम डी. वेस्ट ने बलूचिस्तान और क्वेटा के भूकंप पर लेख लिखे और शिमला की पहाड़ियों से संबंधित व अहमदाबाद और कठियावाड़ में फैले लावा स्तर पर शोध पत्र भी लिखा।

3. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✗

4. (क) इंडियन जियोलॉजिकल सर्वे (ख) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण
(ग) सागर विश्वविद्यालय (घ) जियोलॉजिकल सोसाइटी
(ङ) भारतीय राष्ट्रीय संस्थान (च) भारतीय खान भू वैज्ञानिक एवं धातुकर्म संस्थान
(छ) भारतीय विज्ञान संगठन (ज) सी.आई.ई.
(झ) एशियाटिक सोसाइटी

5. (क) भू-वैज्ञानिक ✓ (ख) मैंगनीज़ की ✓ (ग) कोयला ✓ (घ) 1938 में ✓

भाषा-बोध–

1. (क) अफ़गानिस्तान (ख) जिज्ञासु (ग) महारथ (घ) भूकंप
   (ङ) विश्वविद्यालय (च) सर्वाधिक
2. (क) मेला – आज हमारे शहर में एक मेला लगा है।
   मैला – यह पर्दा बहुत मैला हो गया है, इसे धो दीजिए।
   (ख) समान – आज के समय में लड़का और लड़की दोनों समान हैं।
   सामान – मेरा कुछ सामान बाहर ही रह गया है।
3. (क) रवि खाना खाने <u>के बाद</u> आएगा।
   (ख) गाँव <u>के बीच</u> पार्क की जगह थी।
   (ग) पेड़ <u>के नीचे</u> कुत्ता बैठा है।
   (घ) प्रभा ऑफ़िस <u>के अंदर</u> चली गई।
   (ङ) थाने <u>के सामने</u> वाले घर में चोरी हो गई।
4. (क) छक्के छुड़ाना – (बुरी तरह हराना) – क्रिकेट मैच में भारतीय टीम ने पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए।
   (ख) गागर में सागर भरना – (कम शब्दों में बहुत अधिक कह जाना) – कवि ने अपनी कविता से मानो गागर में सागर भर दिया।
   (ग) मुँह मे पानी आना – (ललचा जाना) – जलेबी देखकर मेरे मुँह में पानी आ गया।
   (घ) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना – (स्वयं अपनी प्रशंसा करना) – बुद्धिमान व्यक्ति को अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना शोभा नहीं देता।

करके सीखिए–

1. बच्चे स्वयं इस पुस्तक 'अग्नि की उड़ान' को पढ़ेंगे तथा अन्य बच्चों के साथ डा. अब्दुल कलाम के योगदान की चर्चा करेंगे।
2. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम – मिसाइल, थॉमस अलवा एडीसन – बल्ब, ग्राहम बेल – टेलीफ़ोन, राइट ब्रदर्स – वायुयान, जी. मारकोनी – रेडियो, मार्टिन कूपर – मोबाइल, जॉन लोगी बेयर्ड – टेलीविज़न, हेनरी बेसेमर – स्टील, कार्ल बेन्ज – कार (पेट्रोल), चार्ल्स बेबज – कंप्यूटर, वाटर मैन – फाउंटेन पैन, विंट-सर्फ– इंटरनेट, मार्क जुकरबर्ग – फेसबुक, जेमकूम – व्हाट्सएप्प आदि।
3. 'विज्ञान'

   विज्ञान हमारे आस-पास दिखाई देने वाली हर एक चीज़ की रीढ़ है, यह उपकरण, गैजेट्स, मशीनरी, कारें और बहुत कुछ है। यह इतनी तेज़ी से विकसित हुआ है कि प्रत्येक मनुष्य अब विज्ञान पर निर्भर है। विज्ञान ने मनुष्यों को दुखों से छुटकारा दिलाने, उनकी अज्ञानता दूर करने व मुश्किलों को कम करने में सार्थक भूमिका निभाई है। घर हो या कारखाने या दफ़्तर, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान हमारी सहायता करता है। गैलीलियो को आधुनिक विज्ञान का जनक माना जाता है। सर जगदीश चंद्र बोस को भारत का प्रथम आधुनिक वैज्ञानिक माना जाता है।

   विज्ञान एक ऐसा विषय है, जिसकी सीमा तथा क्षेत्र दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। इसके बिना हमारा जीवन अब संभव नहीं। विज्ञान की वजह से ही मनुष्य आज इतनी प्रगति कर पाया है। अगर इसे उचित रूप से प्रयोग किया जाए तो यह हमारे लिए किसी वरदान से कम नहीं है।
4. इस प्रश्न का उत्तर विद्यार्थी स्वयं देंगे क्योंकि विद्यार्थी स्वयं किसी प्रसिद्ध वैज्ञानिक को चुनेंगे तथा अन्य बच्चों के साथ उनके अविष्कारों, प्राप्त पुरस्कारों व जन्म स्थान आदि पर चर्चा करेंगे।
5. 'अगर मैं वैज्ञानिक होता' (अनुच्छेद)

   अगर मैं वैज्ञानिक होता तो अन्य वैज्ञानिकों की तरह मैं भी कुछ ऐसा अविष्कार करता जिससे मनुष्य जीवन सरल बन पाता। मेरा अविष्कार दुनिया को एक नई रोशनी देता। आजकल इस दुनिया में जनसंख्या बहुत तेज़ी से बढ़ती जा रही है तथा पृथ्वी पर रहने की जगह कम होती जा रही है। मैं भी एलन मस्क की तरह दूसरे ग्रहों पर जीवनयापन की संभावनाएँ खोजता। मैं भी नक्षत्र विज्ञान का अध्ययन करता तथा किसी ऐसी मशीन की खोज करता जिससे दूसरे ग्रहों पर जाने पर मनुष्यों को प्रर्याप्त ऑक्सीजन और पानी मिलता या ऐसी जगह तलाशता जहाँ मनुष्य आसानी से रह सकता।

   * बच्चों के विचार भिन्न हो सकते हैं।

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER
Regd. Off. : F-214, Laxmi Nagar, Delhi-110 092
Tel. : 91-11-4758 6784, 91-97116 18765
E-mail : yellowbirdpublications@gmail.com • info@yellowbirdpublications.com
Website : www.yellowbirdpublications.com